

XXXIX (a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

जिला-मण्डला

प्रकरण क्रमांक आर.2574-चार/02

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं  
अभिभाषकों आदि  
के हस्ताक्षर

स्थान तथा  
दिनांक

26-8-15  
कैम्प जबलपुर

इस प्रकरण में दिनांक 9-12-03 के बाद से आवेदक की ओर से कई बार नोटिस देने के बाद भी कोई उप. नहीं हो रहा है ।  
प्रकरण आदेशार्थ ।

  
सदस्य

1-9-15

प्रकरण के अवलोकन से प्रतीत होता है कि आवेदक को अपना प्रकरण चलाने में कोई रुचि नहीं है । अतः आवेदक की रुचि के अभाव में यह प्रकरण इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है । दाखिल रिकार्ड हो ।

  
सदस्य

  
6/2

समक्ष न्यायालय राजस्व मंडल, ग्वालियर, कैम्प जबलपुर 140901

रिषीजन क्र.

/2002

आपेदक / रिषीजनकर्ता

सुन्दरलाल आत्मज चैतराम रजक,  
निवासी-ग्राम हरिसिधौड़ी, प. ह. नं. -59  
तहो निवास, जिला-मंडला 140901

बनाम

रमेश आत्मज नारायण प्रसाद शुक्ला,  
निवासी-ग्राम बरमदाना, प. ह. नं. -59  
तहसील निवास, जिला-मंडला 140901

रिषीजन अंतर्गत धारा-50 म090 भू-राजस्व संहिता 1959

अ आपेदक / रिषीजनकर्ता यह रिषीजन न्यायालय श्रीमान् अपर आयुक्त महोदय जबलपुर संभाग के प्रकरण क्र. 10/अ-6/2000-2002 सुन्दरलाल बनाम रमेश में पारित आदेश दिनांक 3/10/2002 से परिषेदित होकर निम्नलिखित तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत करता है।

:: रिषीजन के तथ्य ::

1. यह कि आपेदक ग्राम-1 मांजा । हरिसिधौरी प. ह. नं. -59 ख. नं. 194/1, में स्थित जमीन 3.85, ख. नं. 236, में 0.40, ख. नं. -239/1, में 1.33, ख. नं. 280/1 में 0.52, ख. नं. 298/1, में 0.64, ख. नं. 327/1 में 3.00, अर्थात् कुल 9.89 एकड़ जमीन का मालिक एवं कास्तकार सन् 1951 से है।

2. यह कि उक्त जमीन पूर्वमें श्री रामदत्त आत्मज टीकाराम के नाम से भू-अभिलेखों में दर्ज थी। जो बाहर रहते थे, इसलिए उक्त जमीन ~~अभिलेख~~ आपेदक शिकमी काश्तकार के रूप में जोतते एवं बोते थे। श्री रामदत्त की मृत्यु सन् 1972, में हो गई थी उक्त जमीन उनके तीन पुत्र गनेश, महेश एवं उमेश के नाम से उनकी मृत्यु के पश्चात् राजस्व अभिलेख में दर्ज की गई एवं श्री गनेश प्रसाद के नाम से बटवारा में उक्त जमीन राजस्व अभिलेख में थी तब भी आपेदक उक्त जमीन में शिकमी काश्तकार के रूप में काब्ज था एवं सन् 1974-75 में उक्त जमीन आपेदक के नाम से राजस्व अभिलेखों में आ गई थी।

